मंगलवार
20 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

पर्पल गाजर में कई तरह के पौष्टिक तत्व होते हैं

पृष्ठ 5

कंगना रनौत की इमरजेंसी को मिली रिलीज तारीख

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 26
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

नाव जल में रहे लेकिन जल नाव में नहीं रहना चाहिए, इसी प्रकार साधक जग में रहे लेकिन जग साधक के मन में नहीं रहना चाहिए।

– रामकृष्ण परमहंस

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

प्रभु श्री राम के द्वार, उत्तराखंड की सरकार

रामलला के दर्शन कर धन्य हो गए: धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री आज अपने सभी मंत्रिमंडल सदस्यों के साथ अयोध्या धाम पहुंचे और भगवान श्री राम के चरणों में माथा टेक कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर प्रभु श्री राम को भोजपत्र और ब्रह्म कमल की पुष्प माला भी अर्पित की।

राजधानी दून से अपने सभी कैबिनेट मंत्रियों के साथ सीधे अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री धामी ने रामलला के दर्शन करने के बाद कहा कि वह जब लखनऊ में पढ़ा करते थे तब भी अयोध्या आते थे लेकिन तब रामलला के दर्शन टेंट में होते थे। आज भगवान अपने दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान है। रामलला के दर्शन कर मन प्रसन्न है तथा अत्यंत ही आनंद की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि अब अयोध्या का कायाकल्प

❑अयोध्या से उत्तराखंड का अटूट रिश्ता
❑भोजपत्र व ब्रह्म कमल माला की भेंट

हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से आज अयोध्या विश्व के मानचित्र पर अपने नए स्वरूप के साथ चमक रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का अयोध्या से अटूट नाता रहा है। इस नाते को अब नया स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से अयोध्या से जमीन उपलब्ध कराने को कहा है, जैसे ही जमीन मिलेगी अयोध्या में एक उत्तराखंड भवन का निर्माण कराया जाएगा। जिससे उत्तराखंड से अयोध्या आने वाले राम भक्तों को

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

दो लुटेरे गिरफ्तार, हजारों की नगदी व तमंचा बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गर्भवती पत्नी के इलाज के लिए रूपयों की जरूरत पड़ने पर एक व्यक्ति ने अपने साथियों सहित फाइनेंस कर्मी के साथ लाखों की लूट की घटना को अंजाम दे डाला। मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से पचास हजार की नगदी, तमंचा, कारतूस व घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है। मामले में एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश में छापेमारी जारी है।

लूट की इस घटना का खुलासा रकते हुए एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना सिडकुल क्षेत्रांतर्गत हजाराग्रंट आसफनगर के बीच बीती 15 फरवरी को अज्ञात बदमाशों द्वारा धनौरी पिरान कलियर निवासी राहुल कुमार को तमंचा दिखा कर डेढ़ लाख की लूट को अंजाम दिया गया था। जिस संबंध में थाना सिडकुल पर मुकदमा दर्ज कराया गया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया कि पुलिस द्वारा घटना स्थल व रास्तों पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी खंगाले गये। जिनमें से दो बदमाशों को पुलिस ने कल देर शाम ओशो आश्रम के पास पीर वाली गली से गिरफ्तार किया गया।

एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि जब पुलिस टीम ने बदमाशों को चारों तरफ से घेर लिया तब गिरफ्तारी से बचने के लिए बदमाशों (शिवकुमार एवं गुलाम साबिर) द्वारा पुलिस पर फायर झोंक कर भागने का प्रयास किया गया परंतु पुलिस टीम द्वारा उन्हे पकड़ लिया गया। जिनके

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

शेख शाहजहां को गिरफ्तार न करने को लेकर कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को लगाई फटकार

कोलकाता। संदेशखाली मामले में आज कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में टीएमसी लीडर शेख शाहजहां को गिरफ्तार न करने को लेकर कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई। कहा कि यह व्यक्ति ऐसे तो आसानी से भाग नहीं सकता। जाहिर है कानून-व्यवस्था की समस्या रही होगी।

चीफ जस्टिस ने कहा कि शेख शाहजहां एक जन प्रतिनिधि हैं। वह कानून की अवहेलना नहीं कर सकते। देखते हैं कि क्या वह कोर्ट के सामने पेश होते हैं या नहीं। चीफ जस्टिस ने आगे कहा कि स्वत: संज्ञान मामले में, हम उन्हें यहां आत्मसमर्पण करने का आदेश देते हैं। मामले को करीब 18 दिन से ज्यादा हो गए हैं। एक व्यक्ति जो पूरी समस्या का कारण बना है वह अभी भी भागा हुआ है। हमें नहीं पता कि वो अब तक कैसे बचा हुआ है। पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है। उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार करना होगा। राज्य उसकी रक्षा करना जारी नहीं रख सकता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने संदेशखाली के मुद्दे पर स्वत: संज्ञान लिया था। इसके अलावा इस मुद्दे पर बीजेपी की तरफ से हाईकोर्ट को एप्रोच किया गया था।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति टीएस शिवगणनम संदेशखाली के मुद्दे पर गंभीर टिप्पणी की और कहा कि टीएमसी नेता जहां कहीं भी उसे सरेंडर करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत है।

पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर को दी 32,000 करोड़ की सौगात

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में करीब 32 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास किया। इसमें एजुकेशन, रेलवे, एविएशन और रोड सेक्टर्स से जुड़े विकास कार्य शामिल हैं। पीएम ने घाटी में पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन और संगलदान स्टेशन और बारामूला स्टेशन के बीच ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई।

पीएम मोदी ने कहा, 70 साल से अधूरे सपने मोदी पूरे करके देगा। पहले बम-बंदूक जम्मू-कश्मीर के लिए दुर्भाग्य था। एक वो दिन भी थे, जब जम्मू कश्मीर में अलगाव की खबरें आती थीं। अब जम्मू-कश्मीर विकसित होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। आज ही यहां 32 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट का शिलायान्स-लोकार्पण हो रहा है। देश

की युवा पीढ़ी को बहुत बधाई देते हैं। आज यहां सैकड़ों नौजवानों को सरकारी नियुक्ति पत्र भी सौंपे गए हैं। मैंने आईआईटी और आईआईएम का बात की थी, आपसे किया वादा पूरा किया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, जम्मू कश्मीर में कनेक्टविटी तेजी से बढ़ी है। जम्मू-कश्मीर परिवारवाद की राजनीति का शिकार रहा है। जो सरकारें एक परिवार को आगे बढ़ाने में जुटी रहती हैं, वे युवाओं का भविष्य ताक पर रख देती हैं। ऐसी सरकार लोगों से जुड़ी योजनाएं बनाने में भी दिलचस्पी नहीं रखती है। ये आपके परिवार की चिंता नहीं करेंगे। जम्मू कश्मीर को आज परिवारवादी राजनीति से मुक्ति मिल रही है। जम्मू कश्मीर को विकसित बनाने के लिए गरीब, किसान और युवा-नारी शक्ति पर फोकस कर रही है।

पीएम मोदी ने कहा, मेरा यहां से 40 साल से भी ज्यादा पुराना नाता रहा है। बहुत कार्यक्रम किए हैं, बहुत बार आया हूं। जम्मू-कश्मीर के लोगों का प्यार हम सभी के लिए बहुत बड़ा आशीर्वाद है। हम विकसित जम्मू-कश्मीर बनाकर ही रहेंगे। 70 सालों से अधूरे आपके सपने आने वाले कुछ ही सालों में मोदी पूरे करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, पहले जम्मू-कश्मीर के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ता था। अब जम्मू-कश्मीर में उत्कृष्टता केंद्र खुल गए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

राजनीति का महासंग्राम

अभी लोकसभा चुनाव में 2 महीने का समय शेष है। लेकिन देश में सत्ता का संग्राम अभी से अपने चरम पर पहुंचता दिख रहा है। नीतीश कुमार की अगुवाई में नए राजनीतिक गठबंधन जिसे इंडिया नाम दिया गया था बनने और बिखरने की प्रक्रिया के दौरान इंडिया की जगह भारत लिखे जाने से भाजपा और कांग्रेस के बीच अदावत की जंग शुरू हुई। जीतेगा इंडिया का नारा व इंडिया दोनों को पीछे छोड़ते हुए भाजपा अबकी बार 400 पार तक पहुंच गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुल्लम-खुल्ला सार्वजनिक मंचों से अपनी तीसरी पाली में विकसित भारत का ऐलान करना शुरू कर दिया और विपक्ष को संसद से उठाकर दर्शक दीर्घा में बैठा देने की भविष्यवाणी कर दी गई। लेकिन देश की राजनीति जिस तरह से दिन व दिन करवट बदलती दिख रही है उससे एक बात जरूर साफ हो गई है कि 2024 का चुनाव आम चुनाव नहीं रहने वाला है। इस चुनाव में बहुत कुछ अजब-गजब होने वाला है। इलेक्टोरल बांड पर आये सुप्रीम कोर्ट के फैसले और चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में हुई धांधली को लोकतंत्र की हत्या कहे जाने तथा किसानों के आंदोलन और उन्हें दिल्ली आने से रोके जाने के तौर तरीकों को लेकर जो सवाल अब चर्चाओं के केंद्र में आ चुके हैं उनके अनुगूंज में अब भाजपा का अबकी बार 400 पार और विकसित भारत की बात भी गुम होती दिख रही है, और फिर घूम फिर कर भाजपा की राजनीति मंदिर और सांस्कृतिक विरासतों की हिफाजत के इर्द-गिर्द आती दिख रही है। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के बाद मंदिर और हिंदुत्व का मुद्दा विकसित भारत के मुद्दे पर हावी होता दिख रहा है। कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संभल में थे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाले प्रमोद कृष्णम के एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने कालिका धाम पहुंचे पीएम मोदी ने यहां अपने संबोधन में अयोध्या, काशी और विश्वनाथ के साथ केदारनाथ धाम के कायाकल्प की बात तो की लेकिन इसके अलावा अन्य किसी मुद्दे का जिक्र नहीं किया हां उनके निशाने पर कांग्रेस व विपक्ष रहा जरूर लेकिन वह भी सुप्रीम कोर्ट के इलेक्टोरल बांड को लेकर आए फैसले को लेकर। जिसमें उन्होंने प्रमोद कृष्णम के स्वागत भाषण के उन शब्दों का सहारा लेकर जिसमें उन्होंने कहा था कि मेरे पास आपको देने के लिए कुछ नहीं सिर्फ भाव व भावना के। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अच्छा है कि आपने मुझे कुछ नहीं दिया अगर सुदामा की तरह एक मुट्ठी चावल की पोटली भी दी होती तो वह लोग सुप्रीम कोर्ट में मेरे खिलाफ जनहित याचिका दायर कर देते। पीएम के इस बयान में सुप्रीम कोर्ट से पैदा हुई बेचैनी को साफ देखा जा सकता है। उधर राहुल गांधी की न्याय यात्रा भी चर्चाओं की दौड़ में है। जिसे रोकने के प्रयास इस हवा दे रहे हैं। राहुल आज यात्रा छोड़कर 6 साल पुराने एक केस में सुल्तानपुर जिला कोर्ट में पेश हो रहे हैं इसके बाद फिर न्याय यात्रा पर निकलेंगे। देश की राजनीति का यह महासंग्राम दिन प्रतिदिन नए तेवर, नए कलेवर और नए मोड़ ले रहा है। दो माह में इसकी दिशा व दशा कहां पहुंचेगी अलग बात है लेकिन 2024 का यह महासंग्राम अभी और तीखा होगा।

दो लुटेरे गिरफ्तार, हजारों की नगदी व...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

पास से एक तमंचा, कारतूस 20 हजार की नगदी व घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है। तत्पश्चात आरोपी शिवकुमार की निशांदेही पर उसकी ससुराल चौली भगवानपुर से 30000 रूपये नगद, घटना में लूटा गया बैग, फिंगर प्रिंट वाली मशीन व पीड़ित की कंपनी की आईडी आदि बरामद हुआ। बताया कि आरोपियों शिवकुमार एवं गुलाम साबिर द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर करने पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा भी दर्ज किया गया है। एसपी सिटी ने बताया कि इस पूरे लूट कांड का मास्टरमाइंड मुख्य आरोपी शिवकुमार था। जिसने बताया कि अपनी गर्भवती पत्नी के इलाज के लिए रुपयों की जरूरत होने पर अपने साथी गुलाम साबिर को बताया जिसने हजारागग्रंट के रहने वाले अपने अन्य साथी को बताया तो दोनों के द्वारा शिवकुमार को बताया कि हमारे गांव हजारागग्रंट में एक फाइनेंस कर्मी द्वारा हर माह 15 तारीख को गांव में आकर फाइनेंस की किस्तों को वसूल कर अपने साथ काफी रुपया लेकर जाता है। जिसपर तीनों आरोपियों द्वारा फाइनेंसर को लूट कर पैसों की जरूरत को पूरा करने का यह खतरनाक प्लान बनाया। बताया कि आरोपियों द्वारा घटना करने के बाद पीड़ित की मोटरसाइकिल की चाबी एवं बैग निकालकर थोड़ी दूरी खेतों में फेंक दी थी। बताया कि पकड़े गए आरोपी शिवकुमार पुत्र अमरनाथ निवासी ग्राम हुसैनपुर नवादा थाना फतेहपुर जनपद सहारनपुर उत्तर प्रदेश, गुलाम साबिर पुत्र स्माइल निवासी ग्राम हजारा ग्रंट थाना सिडकुल हरिद्वार के निवासी हैं। जिनके तीसरे साथी की तलाश जारी है।

इन्द्राय सोम सुषुतः परि स्रवापामीवा भवतु रक्षसा सह।
मा ते रसस्य मत्सत द्वयाविनो द्रविणस्वन्त इह सन्त्विन्दवः।।
(ऋग्वेद ९-८५-१)

विवेकी कर्मयोगी की नकारात्मकता और व्याधियाँ दूर होती हैं उसके जीवन में आनंद की धाराएं प्रवाहित होती हैं। सत्य और असत्य का भेद न करने वाले अविवेकी मनुष्य को यह लाभ प्राप्त नहीं होता।

मुख्य सचिव ने आगामी लोकसभा निर्वाचन से सम्बन्धित तैयारियों की समीक्षा की

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में मंगलवार को आगामी लोकसभा निर्वाचन से सम्बन्धित तैयारियों की समीक्षा की।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने आगामी लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत शिक्षा एवं सम्बन्धित विभागों को राज्य में सभी 11729 पोलिंग स्टेशनों पर मतदाताओं हेतु पेयजल एवं शौचालय, बिजली, पर्याप्त फर्नीचर, शेड तथा दिव्यांगजनों तथा बुजर्ग मतदाताओं के लिए रैम्प, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

निर्वाचन ड्यूटी में लगे कार्मिकों की स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्याओं तथा आकस्मिक चिकित्सा उपचार की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए मुख्य सचिव ने एक एयर एम्बुलेंस, केशलेस उपचार की व्यवस्था, मेडिकल किट्स की उपलब्धता आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार हमें केजुअल्टी फ्री इलेक्शन 2024 के विजन के साथ कार्य करना है। मुख्य सचिव ने सभी निर्वाचन कार्मिकों की हेल्थ स्क्रीनिंग करवाने एवं जिला स्तरीय मेडिकल कमेटी के माध्यम से इस सम्बन्ध में मार्गदर्शन लेने के निर्देश दिए।

आबकारी विभाग को विशेषरूप से निर्देश देते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने अवैध शराब की जमाखोरी तथा तस्करी को पूरी तरह से रोकने के लिए पुलिस तथा आबकारी का जॉइन्ट ऑपरेशन चलाने, शराब की उत्पादन ईकाइयो, गोदामों तथा लाइसेन्स वाली दुकानों की सीसीटीवी से निगरानी करने, अर्न्तराज्यीय सीमाओं पर चेक पोस्ट एवं कण्ट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी चेक पोस्ट की भी सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को अपने विभाग में राज्य स्तर, जिला स्तर तथा ब्लॉक स्तर पर निर्वाचन नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने सभी सरकारी कार्मिकों, निर्वाचन की ड्यूटी में लगें कार्मिकों, पुलिस कर्मियों को पोस्टल बैलेट या ईडीसी के माध्यम से मतदान हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य में कुल 189000 सरकारी कार्मिक, 5700 होम गार्ड्स, 9487 पीआरडी कर्मी तथा लगभग 25000 उपनल कार्मिकों मिलाकर कुल 229187 मतदाता हैं। यदि शत् प्रतिशत कार्मिक अपने मतदान का प्रयोग करते हैं तो मतदान प्रतिशत में 2.78 प्रतिशत की वृद्धि होगी। मुख्य सचिव ने सभी विभागों एवं कार्यालयों को अपने शत् प्रतिशत कार्मिकों को मतदान की शपथ दिलाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने सचिव सैनिक कल्याण को सभी जिलों में सर्विस वोटर्स की लिस्ट अपडेट करने तथा सर्विस वोटर्स के शत् प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने श्रम विभाग को सभी श्रमिकों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में कार्य करने वाले कर्मियों का मतदान सुनिश्चित करने के लिए फैक्ट्री एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के मालिकों का सहयोग लेने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, एल फैनई, एडीजी ए पी अंशुमान, मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा0 बी वी आर सी पुरूषोतम सहित विभिन्न सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नाबालिग से छेडछाड में दो लोगों पर मुकदमा

देहरादून (सं)। नाबालिग का पीछा कर उसके साथ छेडछाड करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपोखरी निवासी व्यक्ति ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि हरिजन बस्ती निवासी विनोद का पुत्र सोनू व सूरज रावत पुत्र बचन सिंह निवासी नागागेर उसकी नाबालिग बेटी का पीछा कर उसके साथ छेडछाड व अश्लील बातें करते हैं।

काठगोदाम-अमृतसर के बीच ट्रेन संचालन को मंजूरी

देहरादून (सं)। काठगोदाम-अमृतसर के बीच ट्रेन संचालन को मंजूरी मिलने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार प्रकट किया। आज यहां काठगोदाम रेलवे स्टेशन से अमृतसर जंक्शन के लिए ट्रेन संचालन को रेल मंत्रालय ने मंजूरी प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस रेल के चलने से यात्रियों को काफी सहुलियत होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विगत 2 दिसंबर 2023 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर काठगोदाम से अमृतसर के मध्य सीधी रेल सेवा के संचालन का अनुरोध किया था। अब रेल मंत्रालय ने उनके इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए काठगोदाम-अमृतसर के मध्य ट्रेन संचालन को मंजूरी प्रदान कर दी है। रेल मंत्रालय द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर अवगत कराया गया है नयी ट्रेन के संचालन को मंजूरी दे दी गई है।

एक दिवसीय कृषि उद्यमी प्रयोगशाला का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। इंस्टीटयूट ऑफ एग्रीकल्चर ट्रेनिंग एंड रिसर्च में हिमचाल प्रदेश कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण द्वारा कृषि भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय कृषि उद्यमी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आज इंस्टीट्यूट आफ एग्रीकल्चर ट्रेनिंग एंड रिसर्च प्रेमनगर देहरादून में कृषि विभाग हिमाचल प्रदेश कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) लाहौल स्पीति के कृषि अंतर्राज्यीय कृषि भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय कृषि उद्यमी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे हिमाचल प्रदेश से आये 80 सेब उत्पादकों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान आधुनिक कृषि एवं जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन आदि विषयों पर इंस्टीट्यूट आफ एग्रीकल्चर ट्रेनिंग रिसर्च के विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत प्रस्तुतिकरण तथा प्रयोगात्मक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रकृति खेती को बढ़ावा देने हेतु किसानों को प्रेरित करते हुए निदेशक अमित उपाध्याय ने किसानों को कीट नाशकों के प्रयोग से मिट्टी की दिनों दिन खराब होती स्थिति के बारे मे विस्तार से बताया तथा जैविक कीट नाशकों का उपयोग करने की सलाह दी। उक्त कार्यक्रम में 80 किसानों के साथ कृषि विभाग अधिकारी हिमाचल प्रदेश कुलदीप चंद, वर्षा गुप्ता, एवं डॉ विनोद कुमार ओझा (प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ) लतिका राणा, वैशाली थापा, निलेश कुमार मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

कंधे में होने वाले दर्द को न करें इग्नोर, हो सकते हैं कैंसर के शुरुआती लक्षण

कई बार हम शरीर की छोटी-छोटी दिक्कतों को इग्नोर करने की गलती करते हैं। हमें लगता है कि ये दिक्कतें आम हैं, जो कुछ वक्त बाद अपने आप ठीक हो जाएंगी। हमारी यही लापरवाही हमारे शरीर में बीमारियों को बढ़ावा देने का काम करती हैं। स्वस्थ और निरोगी रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता है। अगर आप अपनी हर छोटी दिक्कत को लेकर जागरुक रहेंगे तो गंभीर से गंभीर बीमारियों का इलाज भी आसानी से और समय पर हो जाएगा।

कई लोग अपने कंधे में होने वाले दर्द पर ध्यान नहीं देते। उन्हें लगता है कि यह समस्या बस यूं ही हो रही होगी, जबकि आपको बता दें कि कंधे में लगातार दर्द रहना कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी का संकेत हो सकता है। अगर आपको लगातार कंधों में दर्द रहता है और दिन-ब-दिन यह बढ़ता जा रहा है तो तुरंत डॉक्टर से अपनी जांच कराएं, क्योंकि ये लक्षण फेफड़े के कैंसर के हो सकते हैं। कई लोगों में जब फेफड़े के कैंसर की शुरुआत होती है तो उन्हें कंधों में दर्द का अनुभव होता है। फेफड़े के कैंसर के कई मरीजों ने कंधों में दर्द की शिकायत की है।

लंग कैंसर में क्यों होता है कंधों में दर्द?

दरअसल लंग का कैंसर हड्डियों को प्रभावित करता है। इसमें कंधों की हड्डियां भी प्रभावित होती है। क्यों ये फेफड़े का पास होती है।

पैनकोस्ट ट्यूमर फेफड़े के कैंसर का ही एक रूप है। यह फेफड़े के ऊपरी हिस्से में बढ़ता है और कंधों के पास के टिशूज पर हमला बोलता है। इसकी वजह से कंधों में दर्द होने लगता है।

फेफड़े के कैंसर में कई बार दर्द शरीर के किसी ओर हिस्से में हो रहा होता है, लेकिन लगता है कि कंधों में रहो रहा है।

कैसा होता है दर्द?

लंग कैंसर में कंधों में होने वाला दर्द काफी हद तक आर्थराइटिस के दर्द की तरह होता है।

ये दर्द रात में और ज्यादा तेज हो जाता है। अगर आपने कोई एक्सरसाइज नहीं की है और फिर भी आपको दर्द हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। क्योंकि ये कैंसर की बीमारी का संकेत हो सकता है। (आरएनएस)

हाई हील्स पहनने का शौक पड़ रहा है एडियों पर भारी!

यूं तो एडियों में दर्द होना आम समस्या है लेकिन कभी कभी ये दर्द बहुत बेहाल कर देता है। ज्यादा चलने, लंबे समय तक खड़े रहने खराब क्वालिटी के शूज, फ्लैट जूते या चप्पल की वजह से या फिर किसी चोट की वजह से जब एडियों में दर्द होता है तो इंसान का चलना फिरना मुश्किल हो जाता है।

पहले एड़ी का दर्द एड़ी के निचले हिस्से में होता है और अगर लापरवाही बरती जाए तो ये दर्द पूरे पैर में फैल जाता है। चूंकि एड़ी ऐसा अंग है जिस पर हमारे शरीर का पूरा भार टिका होता है और इसीलिए इसका स्वस्थ और दर्दरहित रहना जरूरी है वरना रोजमर्रा के कामकाज में दिक्कत आने लगती है।

ऐसे में जरूरी है कि एड़ी में दर्द का सही इलाज किया जाए। चलिए जानते हैं कुछ ऐसे टिप्स जिनकी मदद से आप एड़ी के दर्द यानी हील पेन से निजात पा सकते हैं।

कई बार गलत जूते पहनने पर एड़ी में दर्द होता है। ऐसे में जरूरी है कि हमेशा सही माप और सही क्वालिटी के जूते पहने। आपको ये ख्याल रखना होगा कि आपके शूज सख्त नहीं बल्कि सॉफ्ट होने चाहिए। इससे एड़ी पर दबाव नहीं बनेगा। अगर आपको दिन में काफी लंबे समय के लिए खड़े रहना होता है तो आपके शूज कंफर्टेबल और सपोर्टिव होने चाहिए।

एड़ी का दर्द होने पर गर्म पानी की सिंकाई काफी आराम देती है। इससे एड़ी के साथ साथ मांसपेशियों को भी राहत मिलती है। आपको एक टब में गर्म पानी भर लेना है, इसमें थोड़ा सा नमक डालिए, अब पंद्रह से बीस मिनट के लिए इस पानी में पैर डालिए और अच्छी तरह सिंकाई कीजिए। इससे आपकी एडियों के दर्द में काफी राहत मिल जाएगी।

एड़ी के दर्द में मसाज भी काफी फायदा होता है। मसाज से एडियों का दर्द कम होता है और एडियों की अकडन् भी दूर हो जाती है। इसके लिए आपको शीशम का तेल चाहिए जो पंसारी की दुकान से मिल जाएगा। शीशम के तेल में सरसों का तेल और थोड़ा सा कपूर मिलाकर इससे एडियों की मसाज कीजिए। (आरएनएस)

सुबह उठते ही क्यों आती है उबासी?

रोजमर्रा की जिंदगी में आप कई तरह की शारीरिक गतिविधीयों में लगे रहते हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों को पता नहीं होता कि वे शारीरिक गतिविधियां आखिर होती क्यों है। उबासी आना भी इन्हीं गतिविधीयों का एक हिस्सा है। उबासी अक्सर नींद पूरी ना होने, नींद ज्यादा आने और थके होने की वजह से आती है। दरअसल दिनभर में इंसान 5 से 18 बार तक उबासी ले सकता है और यह एक आम सी बात भी है। जब भी हमारे शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन की जरूरत होती है या यूं कहें कि जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो हमारा शरीर भारी मात्रा में ऑक्सीजन को खींचने की कोशिश करता है जिसके कारण हमें उबासी आती है।

उबासी आने के सामान्य कारण

* ज्यादा थकान होने से उबासी का आना एक दम आम बात है

* रात की नींद पूरी ना होने पर उबासी आना भी नॉर्मल है

* दिनभर आलस और सुस्ती की वजह से भी उबासी आ जाती है

* कई बार समय से पहले नींद खुल जाने पर भी उबासी आना नॉर्मल माना जाता है

सामान्य नहीं है ज्यादा उबासी का आना

अब अगर आपको दिनभर उबासी आती रहती है तो यह एक अच्छा संकेत नहीं है। ज्यादा उबासी आना किसी बीमारी की ओर इशारा भी हो सकता है। दरअसल ज्यादा उबासी आना हमारे शरीर में पल रही किसी बीमारी का संकेत हो सकता है और इससे कई गंभीर बीमारियों की शुरुआत हो सकती है। दिन के किसी भी वक्त मुंह खोल कर उबासी लेना किन बीमारीयों की शुरुआत हो सकती है आइए जानते हैं-

स्लीप एप्निया

यह एक तरह की बीमारी है जिसमें रात को सोते समय कई बार सांस रुक जाती है, जिसकी वजह से नींद में खलल पड़ता है और दिनभर उबासी आती रहती है।

नार्कोलेप्सी

नार्कोलेप्सी नींद से जुड़ी समस्या है, जिसमें इंसान को बहुत ज्यादा नींद आती है और वह कहीं भी सो जाता है। दिनभर नींद आने की वजह से इंसान को थकान महसूस होती है और वह दिनभर उबासी लेता रहता है।

इंसोमेनिया

इंसोमेनिया भी उपरोक्त बीमारियों की तरह ही नींद से जुड़ी बीमारी है। इस बीमारी में इंसान को रातभर नींद नहीं आती है और अगर नींद लगने की वजह से बीच में टूट जाए तो दोबारा नींद आना मुश्किल हो जाता है, जिसकी वजह से इंसान काफी थका हुआ महसूस करता है और उसे दिनभर उबासी आती रहती है।

डायबिटीज

डायबिटीज में भी उबासी आना आम होता है। शरीर में ग्लूकोज की कमी हो जाने के कारण हाइपोग्लाइसीमिया का शिकार हो जाने से उबासी आती है।

दिल की बीमारी

अगर नींद पूरी होने के बाद भी आपको उबासी आ रही है तो तो यह दिल की बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

बालो का रुखापन दूर करने के लिए शैंपू से पहले लगाएं जैतून का तेल

अक्सर मौसम में नमि के कारण और शरीर में आवश्यक तत्वों की कमी के कारण बालों को पूरा पोषण न मिलने से वे नमी खोने लगते हैं। इसतरह बालों में रूखापन बढ़ाता है, जिससे इन्हें सुलझाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मगर इसे किसी ब्यूटी ट्रीटमेंट या हेयर स्पा लेने की जगह घरेलू नुस्खों को अपनाकर दूर किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं उन घरेलू उपायों को...

जैतून का तेल कई आवश्यक तत्वों से भरा होता है। ऐसे में शैंपू करने के 1 घंटा पहले इससे मालिश करें। बाद में बालों को शैंपू और हल्के गुनगुने पानी से धोएं। विटामिन्स से भरा यह तेल बालों को जड़ों से मजबूती दिलाता है। साथ ही बाल सुंदर, घने, शाइनी, काले, सिल्की व सॉफ्ट होते हैं। सेब का सिरका रूखे व बेजान की समस्या को दूर करने में फायदेमंद होता है। इसका पैक बनाकर बालों पर लगाने से बाल जड़ों से मजबूत होते हैं। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में 1 टीस्पून सेब का सिरका, 2 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल और 2 अंडे मिक्स करें। तैयार पैक को बालों पर मसाज करते हुए लगाएं। इसके बाद इसे 2 घंटों तक लगा रहने दें। तय समय के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

पानी में चाय पत्ती उबाल कर इसे छान लें। तैयार पानी को ठंडा कर शैंपू करने के बाद बालों को इससे धोएं। चाय पत्ती बालों का रूखापन दूर कर पोषण प्रदान करता है। साथ ही बाल घने, सुंदर, मजबूत और काले होते हैं।

कैसे हम फल और सब्जियों को कीटाणुरहित कर सकते हैं...?

कोरोनाकाल में घर से बाहर निकलने से, शॉपिंग करने से, यहां तक कि जरूरी सामान खरीने से भी डर लगता है। हम सभी जानते हैं कि कोरोना हर चीज की सतह पर रह सकता है। खाने-पीने की चीजों पर भी कोरोना रह सकता है, इसलिए हम सभी को बेहद संभल कर चलने की जरूरत है। फल और सब्जियां हमारी सबसे बड़ी जरूरत है जिसे हम रोज खरीदते हैं। तो आइए जानते हैं कि कैसे हम फल और सब्जियों को कीटाणुरहित कर सकते हैं...

- जो भी फल या सब्जी आप घर में खरीद कर ला रहे हैं उस पैकेट को इस्तेमाल से पहले कुछ समय के लिए एक अलग जगह पर रख दें।

- फल और सब्जी को धोने के लिए गुनगुने पानी का उपयोग करें। यदि आवश्यक हो तो सब्जियों को डिसइन्फेक्ट करने के लिए गर्म पानी के एक टब में 50 पीपीएम क्लोरीन की सिर्फ एक बूंद का उपयोग किया जा सकता है।

सब्जियों को पीने के पानी से साफ करना चाहिए ताकि खाना पकाते समय नहीं रहे।

- डिटर्जेंट कपड़े साफ करने के लिए होता है और किटाणुनाशक फ्लोर, फर्नीचर आदि की सफाई के लिए। वहीं सैनिटाइजर हाथों और त्वचा के लिए अधिक कारगर होता है। खाने की चीजों पर कीटाणुनाशक स्प्रे का इस्तेमाल या साबुन का उपयोग करना उचित नहीं है। कीटाणुनाशक फल और सब्जियों की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचा सकता है। इन्हें साफ करने के लिए

-अगर आपने सब्जियों को सही तरीके से साफ कर लिया है तो इस बात के लिए परेशान होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है कि आप इन्हें रेफ्रिजरेटर या फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं या नहीं। सब्जियों या फलों को फ्रीजर में स्टोर नहीं करें। जो सामान खराब हो सकते हैं उन्हें रेफ्रिजरेटर में रखना चाहिए, बाकि शेष सब्जियों को कमरे के तापमान पर बास्केट या रैक में संग्रहीत किया जा सकता है।

प्रेग्नेंसी से बचने के लिए अबॉर्शन पिल लेना कितना सही!

जीवन में कई बार ऐसा होता है कि हम गलती से किसी से प्रेग्नेंट हो जाते हैं ऐसे में अनचाही प्रेग्नेंसी का डर सताने लगता है। तब कुछ लोग आसान रास्ता निकालने के लिए अबॉर्शन पिल्स का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या ये वाकई में सुरक्षित है स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार अबौर्शन या गर्भपात न केवल आप को शारीरिक रूप से बल्कि भावनात्मक तौर पर भी तोड़ कर रख देता है। गर्भपात कराने वाली दवाएं आसानी से मैडिकल स्टोर्स पर मिल जाती हैं और ज्यादतर लोग इसे बिना किसी डॉक्टर की सलाह के खा लेती हैं। उसके बाद इसका प्रभाव उनके स्वस्थ्या पर बहुत ही बुरा पड़ता है आइए जानते हैं यहां अधिक खुन बहना

अबॉर्शन पिल लेने से कई बार अधिक खून बहने लगता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ये गर्भाशय की परतों को नुकसान पहुंचा देती है और भीतरी रक्त वाहिकाओं को तोड़ देती है।अधिक खून बहने से हमारा शरीर कमजोर हो जाता है और एनीमिया जैसी समस्या होने लगती है। अनियमित रक्तस्राव से रक्त की कमी और बेचैनी की स्थिति भी पैदा हो सकती है। इसलिए बिना डॉक्टर के परामर्श के कभी भी अबॉर्शन पिल नहीं लेनी चाहिए।

संक्रमण का खतरा

अबॉर्शन पिल का इस्तेमाल खतरनाक संक्रमण का कारण भी बन सकता है। अगर अबॉर्शन के दौरान साफ-सफाई और सही तरीके से ध्यान न रखा जाए, तो यह योनि संक्रमण, पेल्विक इंफेक्शन और सेप्टिक एबॉर्शन जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। ये बहुत ही गंभीर समस्याएं होती हैं जो पीड़ा और जटिलताएं पैदा कर सकती हैं। इनसे गर्भाशय, अंडाशय व योनि क्षतिग्रस्त हो सकते हैं।।भविष्य में महिलाओं को प्रजनन संबंधी समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सुरक्षित तरीके से ही अबॉर्शन कराना चाहिए।

मानसिक तनाव

अबॉर्शन यानी गर्भपात सिर्फ शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक स्तर पर भी काफी नुकसानदायक हो सकता है। गर्भपात कोई आसान फैसला नहीं होता। अक्सर इसके बाद महिलाओं को तनाव, अवसाद और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ता है। कई बार तो पीड़ित व्यक्ति डिप्रेशन का भी शिकार हो जाता है । इसलिए अगर कभी गर्भपात कराने की आवश्यकता पड़े, तो पेशेवर मदद जरूर लें। कोशिश करना चाहिए की गर्भपात से जितना हो सके बचा जाए। (आरएनएस)

काफी दिनों से खांसी से हैं परेशान, तो जरूर अपनाएं यह तरीका

बदलते मौसम में कोल्ड-कफ बेहद आम बात है क्योंकि इस सीजन कोल्ड-कफ सर्दी हो जाती है। लेकिन कुछ लोगों को यह खांसी काफी दिनों तक जकड़ कर रख लेती है। इन दिनों काफी तेजी से मौसम बदल रहा है। ऐसी स्थिति में लोग खांसी का शिकार हो जाते हैं। जिसके कारण कई परेशानियों का सबब बन सकता है।ज्यादा दिनों तक खांसी रहने के कारण शरीर में कई तरह की परेशानियां होने लगती है। खांसी की वजह से सीने में दर्द, पेट और पसलियों में खिंचाव होने लगता है। ड्राई कफ के कारण कई तरह की परेशानियां होने लगती है। आप भी ऐसी लंबी खांसी से परेशान हैं तो हम आपके लिए लाए हैं खास उपाय।

खांसी के लिए घरेलू नुस्खे

अदरक

अगर दिनभर खांसी होती रहती हैं या आप भी इस तरह की खांसी से परेशान हैं तो अदरक का एक छोटा सा टुकड़ा लें। उससे अच्छे से गैस पर भून लें और फिर ठंडा करके उसे नमक के साथ खाएं। अब इसे दातों के अंदर दबा लें। फिर आपको खांसी में आराम मिलेगा।

नमक

गले के खराश और खांसी से परेशान है तो नमक खाने से राहत मिल सकती है। एक गिलास गुनगुने पानी में चुटकी भर नमक डालकर दिन में 2-4 बार गरारे करें। इससे गले में राहत मिलेगी।

घी और काली मिर्च

लंबी खांसी से निजात पाने के लिए आप घी और काली मिर्च खाने से खांसी में काफी ज्यादा आराम मिलेगा। लंबी खांसी से परेशान हैं तो तुरंत आराम मिलेगा। सबसे पहले एक चम्मच घी लें और उसमें एक चुटकी काली मिर्च मिला लें। इससे खांसी में काफी ज्यादा आराम मिलता है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पर्पल गाजर में कई तरह के पौष्टिक तत्व होते हैं

गाजर को काफी ज्यादा पौष्टिक सब्जी माना जाता है। ऑरेज, लाल और पर्पल गाजर कई तरह की होती है। लेकिन पर्पल गाजर को सभी गाजरों में सबसे ज्यादा पौष्टिक तत्व से भरपूर माना जाता है। पर्पल गाजर में विटामिन भरपूर होता है। खासकर जिन लोगों को आंखें खराब या कम रोशनी की दिक्कत से जूझ रहे हैं उनके लिए पर्पल गाजर वरदान है। पर्पल गाजर में कई तरह के पौष्टिक तत्व होते हैं जो पूरे शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है।

गाजर में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर के इंफ्लामेशन और दर्द को कम करने का काम करता है। पर्पल गाजर खून को साफ करने का काम करता है। साथ ही इसमें फाइबर, पोटैशियम, विटामिन सी, मैग्नीज, विटामिन ए और विटामिन बी के अलावा इसके कई सारे तत्व होते हैं।

पर्पल गाजर के फायदे

शरीर को करता है डिटॉक्स

रिपोर्ट के मुताबिक पर्पल गाजर में एंथोसाइनिन नाम का कंपाउंड होता है जो पोलीफेनॉल एंटीऑक्सीडेंट है। एंथोसाइनिन एंटी-इंफ्लामेटरी एजेंट की तरह काम करता है। एंथोसाइनिन में कई तरह के टॉक्सिक कंपाउंड होते हैं जो प्रो- इंफ्लामेटरी साइटोकिन नाम के कंपाउड को खत्म करता है। जो शरीर से जहर निकालने का काम करता है।

हार्ट के लिए होता है फायदेमंद

इंफ्लामेटरी कंपाउड कई बीमारियों के लिए जिम्मेदार होता है। यह जोड़ों के दर्द और हार्ट मसल्स के सूजन को करता है कम। लेकिन पर्पल गाजर में एंथोसाइनिन होता है जो प्रो- इंफ्लामेटरी कंपाउंड साइटोकिनेस को खत्म करता है। पर्पल गाजर हार्ट के लिए फायदेमंद होता है।

पेट की बीमारी में फायदेमंद

पेट की कई सारी बीमारी जैसे जिन लोगों को कोलाइटिस की दिक्कत है उन्हें पर्पल गाजर खाना चाहिए। कोलाइटिस के मरीज को सूजन की दिक्कत रहती है। तो उन्हें पर्पल गाजर खाना चाहिए। चूहों को अक्सर कोलाइटिस की बीमारी होती है। पर्पल गाजर में कंपाउंड प्रो इंफ्लामेटरी प्रोटीन को सप्लाई होने वाले बल्ड के फ्लो को कम करता है। जिसमें कोलाइटिस की बीमारी में राहत मिलती है।

एंटी-कैंसर गुण

पर्पल कलर के गाजर में एंटी कैंसर गुण होते हैं। 12 सप्ताह के रिसर्च में पाया गया है कि ब्रेस्ट, लिवर, स्किन, ब्लड और कोलोन कैंसर में पर्पल गाजर है काफी ज्यादा फायदेमंद।(आरएनएस)

दुनियाभर में फाइटर ने किया 337 करोड़ का आंकड़ा पार

ऋतिक रोशन स्टारर एरियल एक्शन फाइटर 25 जनवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई थी. फिल्म शुरुआत से ही बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है. अब फिल्म को रिलीज हुए 19 दिन हो चुके हैं और फिल्म अब तक हर रोज करोड़ो कमा रही है. घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ फिल्म वर्ल्डवाइड भी धमाल मचा रही है.

फाइटर का दर्शकों में क्रेज बना हुआ है. शाहिद कपूर की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के रिलीज के बाद भी ऋतिक रोशन की फिल्म पर कोई असर नहीं हुआ है. फाइटर ने 18 दिनों में दुनियाभर में 337 करोड़ रुपए का शानदार कलेक्शन कर लिया है. ऋतिक रोशन ने फिल्म की वर्ल्डवाइड धुआंधार कमाई शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की है.

ऋतिक रोशन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फाइटर का वर्ल्डवाइड कलेक्शन शेयर करते हुए फाइटर पर गर्व होने की बात कही है. ऋतिक ने लिखा- इस तरह की लड़ाई वाली कोई फिल्म पहले कभी नहीं देखी! तुम पर गर्व है फाइटर!

बता दें कि फाइटर के 337 करोड़ के कलेक्शन के साथ ऋतिक रोशन अपनी ही फिल्म बैंग-बैंग का वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड तोडने के लिए बेहद करीब हैं. साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म बैंग-बैंग ने दुनियाभर में 340 करोड़ रुपए कमाए थे.

सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी फिल्म फाइटर घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी 200 करोड़ का आंकड़ा पार करने के बेहद करीब है. फिल्म ने अब तक 198 करोड़ कमा लिए हैं. फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं. वहीं अनिल कपूर और करण सिंह ग्रोवर भी फिल्म का हिस्सा हैं. (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 77

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

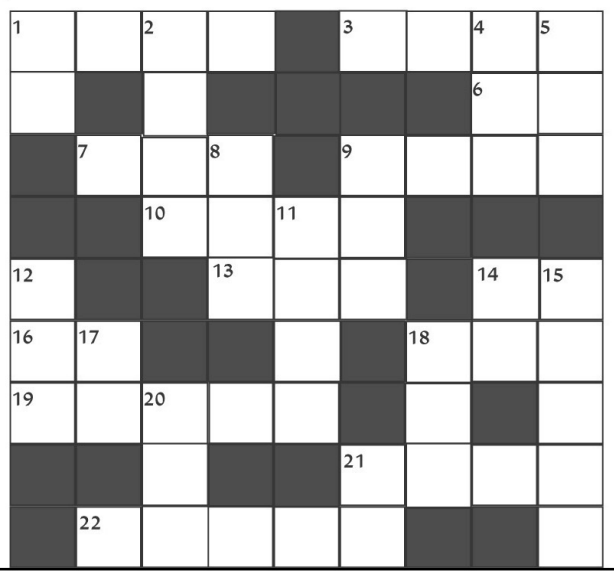

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 76 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

इमरान हाशमी की वेब सीरीज शोटाइम 8 मार्च को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर होगी स्ट्रीम

लंबे वक्त से इमरान हाशमी का नाम आने वाली वेब सीरीज शोटाइम को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। बीते साल आई फिल्म टाइगर 3 के बाद फैंस एक्टर को एक्टिंग की दुनिया में वापसी करते हुए देखने के लिए बेताब है।

इस बीच इमरान की वेब सीरीज शोटाइम का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। अभिनेता इमरान हाशमी के अलावा आपको इस ट्रेलर में नसीरुद्दीन शाह और मौनी रॉय जैसे कई कलाकारों की झलक आसानी से देखने को मिल जाएगी।

बॉलीवुड के पर्दे के पीछे के कई दिलचस्प किस्सों को लेकर शोटाइम वेब सीरीज आ रही है। डायरेक्टर मिहिर देसाई और अर्चित कुमार ने इस रोचक सीरीज का डायरेक्शन किया है, जबकि करण जौहर ने इमरान हाशमी की वेब सीरीज के निर्माता की बागडोर को संभाला है।

मेकर्स की तरफ से साझा किए गए इस ट्रेलर में हिंदी सिनेमा जगत में नेपोटिज्म के मुद्दे को दर्शाया गया है। किस तरह से फिल्मी दुनिया में इनसाइडर और आउटसाइडर के बीच क्लैश चलता है।

इस तरह के तमाम मसले आपको शोटाइम वेब सीरीज और इसके ट्रेलर में आसानी से देखने को मिलेंगे, जिसका अंदाजा ट्रेलर में नसीरुद्दीन शाह के डायलॉग- सिनेमा धंधा नहीं , धर्म है, के जरिए लगा सकते हैं। 2 मिनट 4 सेकंड का इमरान हाशमी का ये ट्रेलर काफी बेहतरीन है, जिसे देखने के बाद इस सीरीज के लिए आपकी एक्साइटमेंट काफी बढने वाली है।

इमरान हाशमी स्टारर वेब सीरीज शोटाइम के ट्रेलर लॉन्च के बाद हर कोई इसकी रिलीज का इंतजार कर रहा है। गौर करें शोटाइम की रिलीज डेट की तरफ तो 8 मार्च 2024 को इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया जाएगा।

इमरान हाशमी के अलावा इस सीरीज में नसीरुद्दीशाह, महिमा मकवाना, मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रेया सरन और विजय राज जैसे कलाकार मौजूद हैं।

अदा शर्मा की बस्तर: द नक्सल स्टोरी का दूसरा टीजर हुआ रिलीज!

अदा शर्मा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बस्तर- द नक्सल स्टोरी को लेकर खूब चर्चा में बनी हुई हैं. हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की तरफ से काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिले थे.

वहीं अब फिल्म का दूसरा टीजर भी जारी कर दिया है. टीजर में एक लाचार और बेबस मां अपनी दर्द भरी कहानी सुना रही है, जो नक्सलियों से अपने परिवार के लिए बदला लेना चाहती है. वे कहती हैं कि मेरे पति को नक्सलियों ने मार दिया. पूरे गांव के सामने 32 टुकड़े कर दिए. क्या गलती थी उनकी बस यही कि उसने 15 अगस्त को अपने स्कूल में भारत का झंडा लहराया. बस्तर में भारत का झंडा लहराना एक जुर्म है, जिसका सजा दर्दनाम मौत है.

वे आगे कहती हैं कि मेरे बेटे को उठाकर लेकर चले गए. उसे भी नक्सली बनाएंगे. हर परिवार से उन्हें एक बच्चा देना पड़ता है. जो नहीं देते हैं तो पूरे परिवार को वे लोग मार देते हैं. मैं मेरे पति का बदला और अपने बेटे को वापस लेने के लए जिंदा हूं. मैं उन नक्सलियों को खत्म कर के ही रहूंगी.

वहीं हार्ड हिटिंग डायलॉग्स के साथ फिल्म का ये टिजर दिल दहला देने वाला है. जबसे फिल्म की घोषणा हुई है, फैंस इस मूवी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. सुदीप्तो सेन ने डायरेक्शन में बनी फिल्म 15 मार्च 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.

'बता दें कि द केरल स्टोरी' के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने ही फिल्म 'बस्तर - द नक्सल स्टोरी' बनाई है. वहीं सनशाइन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस मूवी में अदा शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी. फिल्म में अदा आईपीएस ऑफिसर नीरजा माधवन के रोल में निभा रही हैं, जो नक्सलियों के खिलाफ युद्ध छेड़ चुकी हैं. फैंस को उनका ये लुक बेहद पसंद आ रहा है. सोशल मीडिया पर दर्शकों की तरफ से टीजर को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहे हैं.(आरएनएस)

कृति सेनन ने गुलाबी साड़ी में बिखेरा जलवा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी खूबसूरती और स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने फैंस के साथ अपने स्टाइलिश फोटोज शेयर कर उन्हें दीवाना बनाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह गुलाबी साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में कृति सेनन ने गुलाबी रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जो उनके ऊपर काफी जंच रही है। उन्होंने लाइट मेकअप किया हुआ है, जो उनके चेहरे पर एक अलग ही निखार ला रहा है। उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ है, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। एक्ट्रेस की खूबसूरती देख यूजर्स लट्टू हो गए हैं और प्यार की बारिश कर रहे हैं।

शाहिद कपूर और कृति सैनन इन दिनों फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को लेकर सुर्खियों में हैं। पहली बार पर्दे पर यह जोड़ी देखने को मिली। शाहिद और कृति पिछले दिनों अपनी इसी फिल्म के प्रचार-प्रसार के दौरान कई दिलचस्प खुलासे किये । हाल ही में दोनों ने फिल्म और एक-दूसरे के साथ काम करने के अनुभव पर बात की।(आरएनएस)

तब्बू के साथ करीना-कृति का दिखेगा स्वैग

करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन की फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। जब से इस फिल्म की अनाउंसमेंट हुई है तब से फैंस को इसके रिलीज होने का इंतजार था। पहली बार इंडस्ट्री की तीन लीडिंग लेडीज साथ में जलवा दिखाती नजर आने वाली हैं। करीना कपूर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी दी है। ये फिल्म 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को राजेश कृष्णन ने डायरेक्ट किया है। एकता कपूर और रिया कपूर ने प्रोड्यूस किया है।

द क्रू एकता कपूर और रिया कपूर का स्पेशल प्रोजेक्ट है। इस फिल्म की शूटिंग मुंबई और अबु धाबी में हुई है। ये फिल्म पहले 22 मार्च को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसे पोस्टपोन करके 29 मार्च को कर दिया गया है। फिल्म का टीजर शेयर करके मेकर्स ने नई रिलीज डेट की जानकारी दी है।

करीना ने सोशल मीडिया पर द क्रू का मजेदार टीजर शेयर किया है। जिसमें करीना, कृति और तब्बू एयर हॉस्ट्रेस की ड्रेस में एयरपोर्ट पर चलती नजर आ रही हैं। वीडियो में बैकग्राउंड में चोली के पीछे क्या है गाना चल रहा है।

वीडियो में प्लेन के कैप्टन कहते हैं देवियों और सज्जनों मैं आपका कैप्टन बात कर रहा हूं। आज की फ्लाइट में आपका स्वागत है। हमारा क्रू आपको पूरा ख्याल रखेगा। लेकिन आप सभी से निवेदन है कि अपनी चोली टाउट बांध लें ताकि दिल बाहर ना गिर जाए। वीडियो शेयर करते हुए करीना ने लिखा-कमर कस लें, अपने पॉपकॉर्न तैयार कर लें और परोसने के लिए तैयार हो जाएं। द क्रू इस मार्च में रिलीज हो रही है। (आरएनएस)

कंगना रनौत की इमरजेंसी को मिली रिलीज तारीख

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत पिछले लंबे वक्त से अपनी आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म इमरजेंसी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इसमें कंगना न सिर्फ पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी, बल्कि उन्होंने इसके निर्देशन की कमान भी संभाली है।अब कंगना ने इमरजेंसी का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें अभिनेत्री हूबहू इंदिरा जैसी लग रही हैं।इसके साथ कंगना ने इमरजेंसी की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।

इमरजेंसी 14 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। यह फिल्म पहले बीते साल 24 नवंबर को रिलीज होने वाली थी।कंगना ने इमरजेंसी का नया पोस्टर साझा करते हुए लिखा, भारत के सबसे काले समय के पीछे की कहानी को उजागर करें। 14 जून को आपातकाल की घोषणा। सबसे खूंखार और उग्र प्रधानमंत्री इंदिरा के सिनेमाघरों में गरजने से इतिहास जीवंत हो उठा।इसमें अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और सतीश कौशिक ने भी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, कंगना ने एक बयान में कहा, इमरजेंसी मेरी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना है और मणिकर्णिका के बाद दूसरी निर्देशित फिल्म है, हमारे पास इस बड़े बजट, भव्य पीरियड ड्रामा के लिए सर्वश्रेष्ठ भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभाएं एक साथ आई हैं। बता दें कि यह फिल्म पहले 24 नवंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन शेड्यूल में बदलाव के कारण इसे स्थगित कर दिया गया।

फिल्म की कहानी के बारें में बताए तो ज़ी स्टूडियोज़ और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा बनाई गई है, इमरजेंसी को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सबसे विवादास्पद तमाशा के मेगा-बजट चित्रण के रूप में पेश किया गया है। फिल्म में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी हैं। फिल्म की पटकथा और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं। यह फिल्म पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है और इसमें कंगना दिवंगत राजनीतिज्ञ की मुख्य भूमिका में हैं। इमरजेंसी कंगना की पहली एकल डायरेक्शन वाली फिल्म है।

राजनीतिक पैमाने पर रत्नों का चुनाव

अजीत द्विवेदी

दुनिया का कोई भी पुरस्कार या सम्मान किसी व्यक्ति की महानता के मूल्यांकन का पैमाना नहीं हो सकता है। पिछली सदी के सबसे महान राजनीतिक व सामाजिक विचारक और आंदोलनकारी महात्मा गांधी को शांति का नोबल पुरस्कार नहीं मिला है। लेकिन इससे गांधी की महानता में रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता है। ऐसे ही जितने लोगों को नोबल पुरस्कार मिले हैं वे सब हर कसौटी पर महान हैं ऐसा भी नहीं माना जा सकता है। दुनिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, खासकर शांति, साहित्य और अर्थशास्त्र का नोबल अक्सर भू-राजनीतिक स्थितियों से प्रभावित होता है। अमेरिकी और पश्चिमी दुनिया के राजनीतिक नैरेटिव के हिसाब से ये पुरस्कार दिए जाते हैं। तभी इस सर्वोच्च पुरस्कार के विरोधाभास कई बार हैरान करने वाले होते हैं। महात्मा गांधी को शांति का नोबल नहीं मिला, लेकिन जिस व्यक्ति की कूटनीति से दुनिया के कई हिस्सों में हजारों लोग मारे गए उस हेनरी किसिंजर को शांति का नोबल मिला। अमेरिका को एक के बाद एक छह युद्धों में धकेलने वाले बराक ओबामा को भी नोबल मिला और दुनिया में युद्ध नीति के सबसे बड़े जानकार माने गए विंस्टन चर्चिल को शांति का तो नहीं लेकिन साहित्य का नोबल मिला।

दुनिया में नोबल पुरस्कारों को लेकर जैसी राजनीति होती रही है और पुरस्कार जिस तरह से भू-राजनीतिक स्थितियों से प्रभावित होते रहे हैं उसी तरह भारत रत्न का भी मामला है। भारत के अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों को उनके निधन को दशकों बाद भारत रत्न दिया गया। सोचें, कैसी विडंबना है कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को एमजी रामचंद्रन के दो साल बाद 1990 में भारत रत्न मिला और सरदार वल्लभ भाई पटेल व मोरारजी देसाई को राजीव गांधी के साथ 1991 में भारत रत्न दिया गया। महान स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण को तो और भी इंतजार करना पड़ा। उनको 1999 में भारत रत्न मिला तो मदन मोहन मालवीय को 2015 में सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया गया। भारत रत्न दिए जाने के इस पैटर्न को देख कर समझा जा सकता है कि किस तरह से विचारधारा के आधार पर सरकारों ने भेदभाव किया और भारत रत्नों का चुनाव किया। अब भी इस देश के सबसे मौलिक राजनीतिक-सामाजिक विचारक राममनोहर लोहिया को भारत रत्न नहीं मिला। बाबू जगजीवन राम से लेकर कांशीराम तक अनेक नेता ऐसे हैं, जिनको यह सम्मान नहीं मिला है। लेकिन इससे भारतीय राजनीति और समाज में उनक योगदान कम नहीं हो जाता है। चूंकि भारत रत्न के लिए ऐसी महान विभूतियों के नाम पर विचार नहीं होता है, जिनका निधन आजादी से पहले हो गया था इसलिए विभूतियों की सूची थोड़ी छोटी हो जाती है फिर भी ऐसी अनेक विभूतियां हैं, जो इससे वंचित रह गई हैं।

असम में आजादी के बाद ही कांग्रेस की सरकारों ने इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान को राजनीति का एक टूल बना दिया था। आखिरी बार जब कांग्रेस की सरकार को भारत रत्न देने का मौका मिला तो उसने 2014 में सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न दिया था। उस समय सचिन की उम्र 40 साल के करीब थी और वे खेल से रिटायर भी नहीं हुए थे। सोचें, भारत रत्न में खेल की श्रेणी नहीं थी इसलिए पहले की सरकारों ने महान ध्यानचंद या मिल्खा सिंह को इससे सम्मानित नहीं किया था। लेकिन जब खेल की श्रेणी में पुरस्कार दिया गया तो कांग्रेस की सरकार को सचिन तेंदुलकर पहले खिलाड़ी मिले, जिनको भारत रत्न दिया गया। उस समय लोकसभा के साथ ही महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव भी थे तो किसी ने कांग्रेस के नेताओं को समझाया होगा कि इससे महाराष्ट्र लगातार चौथी जीत मिल सकती है। सोचें, कैसी विडंबना है कि भारत रत्न सचिन अभी तक कोल्ड ड्रिंक्स से लेकर इनवर्टर का विज्ञापन कर रहे हैं!

भारत रत्न को लेकर जब भी यह बात उठती है कि पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी ने खुद प्रधानमंत्री रहते भारत रत्न ले लिया तो कांग्रेस के नेता या उसके इको सिस्टम में काम करने वाले फ्रीलांस विचारक कुछ तथ्य निकाल कर समझाते हैं कि कैसे नेहरू और इंदिरा ने खुद भारत रत्न नहीं मिला था, बल्कि राष्ट्रपति या दूसरे लोगों ने जबरदस्ती करके दिलाया था। सोचें, क्या आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू या सरकार के मंत्री जैसे राजनाथ सिंह या एस जयशंकर, निर्मला सीतारमण आदि जिद करके नरेंद्र मोदी को भारत रत्न दिला दें तो कांग्रेस इसे बरदाश्त करेगी? क्या इसकी आलोचना नहीं होगी? यह एक बहुत खराब परंपरा है, जिसकी शुरुआत कांग्रेस ने आजादी के सबसे बड़े नायकों में से एक और आधुनिक भारत के निर्माता पंडित नेहरू के समय ही कर दी थी।

बहरहाल, कांग्रेस ने जिस तरह भारत रत्न का इस्तेमाल किया अब भाजपा की सरकार भी उसी तरह इसका इस्तेमाल कर रही है। नरेंद्र मोदी ने अपने 10 साल के शासन में 10 भारत रत्न दिए हैं, जिनमें से आठ राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले हैं। भूपेन हजारिका और एमएस स्वामीनाथन दो ही ऐसे भारत रत्न हैं, जिनका राजनीति से मतलब नहीं था। नानाजी देशमुख भी राजनीति में रहे थे और बाद में सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में ज्यादा समय दिया। इनके अलावा बाकी भारत रत्न पाने वाली राजनीतिक हस्तियों को देखें तो स्पष्ट रूप से राजनीतिक पैटर्न दिखेगा। मोदी सरकार ने पहले साल में अटल बिहारी वाजपेयी को भारत रत्न दिया। इसका पैमाना एक ही था कि वे भाजपा के संस्थापक नेता था और देश के प्रधानमंत्री रहे। अगर देश का प्रधानमंत्री होना भारत रत्न का पैमाना है तो फिर वीपी सिंह, चंद्रशेखर, एचडी देवगौड़ा, आईके गुजराल और मनमोहन सिंह क्यों वंचित रहेंगे? इनके पांच के अलावा सिर्फ नरेंद्र मोदी ही भारत रत्न से वंचित हैं। बाकी सभी आठ प्रधानमंत्रियों और दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे गुलजारीलाल नंदा को भारत रत्न मिल चुका है।

भारत रत्न के बारे में कुछ नियम तय हैं। जैसे एक अघोषित नियम यह है कि इसकी घोषणा आमतौर पर गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है। इस साल गणतंत्र दिवस से पहले एक और बाद में चार पुरस्कारों की घोषणा हुई है। एक नियम यह भी है कि एक साल में तीन से ज्यादा भारत रत्न नहीं दिए जाएंगे लेकिन इस साल पांच भारत रत्न दिए गए हैं। चुनावी साल में पांच लोगों को भारत रत्न देकर अलग अलग जातियों, समुदायों और भौगोलिक क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक समीकरण को साधने का प्रयास साफ दिख रहा है। जिस तरह से पहले राजनीतिक नफा-नुकसान को ध्यान में रख कर अलग अलग समुदायों या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वालों को खुश करने के लिए भारत रत्न चुने जाते थे वही परंपरा अब भी चल रही है। नरसिंह राव को भारत रत्न दिया गया, जिन्होंने आर्थिक सुधार किए थे लेकिन यह देखने की जरुरत नहीं समझी गई कि वे पहले प्रधानमंत्री थे, जिनके ऊपर सांसदों को रिश्वत देकर अपनी सरकार बचाने के आरोप लगे थे। ये आरोप प्रमाणित भी हुए थे। यह अलग बात है कि संसदीय विशेषाधिकार की वजह से रिश्वत लेने वाले सांसद और देने वाले सभी बच गए थे।

चौधरी चरण सिंह महान किसान नेता थे। उनकी ईमानदारी के भी किस्से कहे जाते हैं। लेकिन उतना ही अकल्पनीय उनका सत्ता मोह था। प्रधानमंत्री बनने के लिए उन्होंने राजनारायण के साथ मिल कर जिस तरह से जोड़ तोड़ किए थे, कई बार पार्टियां बदलीं और उस समय बाबू जगजीवन राम को बदनाम करने के लिए उनके बेटे सुरेश राम की एक महिला के साथ अश्लील तस्वीरों का कांग्रेस के साथ मिल कर जैसा इस्तेमाल हुआ था वह उनकी राजनीति के उजले पक्ष को नहीं दिखाता है। जिस कांग्रेस के खिलाफ जीवन भर लड़े उसकी मदद से प्रधानमंत्री बनने और अपमानजनक तरीके से हटने के घटनाक्रम से कोई अच्छा राजनीतिक मानक स्थापित नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वैचारिक व राजनीतिक मार्गदर्शक लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिया। उनके ऊपर बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा तोडने का मुकदमा चला था और लंबी मुकदमेबाजी के बाद नवंबर 2022 में वे बरी हुए। उनका नाम जैन हवाला डायरी में भी था और उस समय सुब्रह्मण्यम स्वामी ने दावा किया था कि वे साबित कर देंगे कि आडवाणी को दो करोड़ रुपए मिले थे। हालांकि बाद में इस मामले में भी आडवाणी बरी हो गए थे। उनके अलावा मोदी सरकार ने प्रणब मुखर्जी को भी भारत रत्न दिया, जिनके बारे में यह आम धारणा है कि देश में क्रोनी कैपिटलिज्म को एक राजनीतिक शिष्टाचार के तौर पर स्थापित करने में उनका अतुलनीय योगदान रहा। देश के एक बड़े कारोबारी घराने को किस तरह उन्होंने स्थापित किया, मदद की, वह लोक कथा की तरह प्रचलित है। भारतीय राजनीति में उनके सकारात्मक और निर्मल योगदान की तलाश के लिए बहुत गहरी खुदाई की जरुरत होगी। इन सबके बीच एक चमकदार टापू की तरह कर्पूरी ठाकुर का भी नाम है, जिन्हें इस साल भारत रत्न मिला है।

खेला की राजनीति

भारत की सियासी चर्चाओं में 'खेला' शब्द संभवत: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की देन है। तब से मीडिया की चर्चाओं से आगे बढ़ते हुए अब राजनेताओं की जुबान पर भी यह छा गया है। समाज का प्रभु वर्ग भी इसमें खूब मज़ा लेने लगा है।

जब नीतीश कुमार ने 'खेला' किया और तेजस्वी यादव ने उसका जवाबी 'खेला' कर दिखाने का एलान किया, तो उसे हिकारत के साथ देखने के बजाय सारी इलीट चर्चा दोनों पक्षों की 'खेला' कर सकने की क्षमता के आकलन पर टिक गई। क्या यह लोकतंत्र है? भारत की सियासी चर्चाओं में 'खेला' शब्द संभवत: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की देन है। तब से मीडिया की चर्चाओं से आगे बढ़ते हुए अब राजनेताओं की जुबान पर भी यह छा गया है। समाज का प्रभु वर्ग भी इसमें खूब मज़ा लेने लगा है। इस शब्द में जो अवसरवाद और अनैतिकता शामिल है, उस पर ध्यान देने की जरूरत किसी को महसूस नहीं होती। यही वजह है कि राजनेताओं का अवसरवाद और अनैतिकता अब लोगों को उनका कौशल महसूस होने लगे हैं। इसकी होड़ में जो जीत जाए, उसे सिकंदर के रूप में देखा जाने लगता है। शायद इसीलिए बिहार में जब नीतीश कुमार ने 'खेला' किया और तेजस्वी यादव ने उसका जवाबी 'खेला' कर दिखाने का एलान किया, तो उसे हिकारत के साथ देखने के बजाय सारी इलीट चर्चा दोनों पक्षों की 'खेला' कर सकने की क्षमता के आकलन पर टिक गई। अं

तत: सोमवार को तेजस्वी यादव की क्षमता से उम्मीद जोड़े लोगों को मायूसी हाथ लगी, जब नीतीश के पक्ष ने दिखा दिया कि मुख्यमंत्री आखिर सियासत के दांव खेलने में तेजस्वी के 'चाचा' हैं। विश्वासमत पर मतदान के दौरान नीतीश ना सिर्फ अपने समर्थकों को एकजुट रखने में सफल रहे, बल्कि तेजस्वी के राष्ट्रीय जनता दल के तीन विधायक भी तोड़ लिए। लेकिन मुद्दा यह है कि 'खेला' की इस होड़ में जनादेश की भावना का जिस तरह खुल्लमखुल्ला उल्लंघन होता है और लोकतंत्र का मजाक बना दिया जाता है, सार्वजनिक चर्चाओं में उसे इस तरह वैधता देना क्या इस खेल में खुद शामिल होना नहीं है? इससे भी बड़ा सवाल है कि राजनीति अगर सिर्फ सत्ता के समीकरण बैठाने का खेल बन जाए, तो क्या उसे लोकतांत्रिक कहा भी सकता है? लोकतांत्रिक राजनीति में यह अंतर्निहित है कि उसमें पार्टियां जनता के उन समूहों के हितों का प्रतिनिधित्व करें, जिनके समर्थन से उनकी हैसियत बनती है। इसके विपरीत अगर नेताओं के अपने हित सर्वोच्च हो जाएं, उन्हें साधने के लिए वे हर तरह का 'खेला' करने लगें, और प्रभु वर्ग में उसको उनका कौशल माना जाने लगे, तो उसका यही अर्थ होगा कि लोकतंत्र की इति-श्री हो चुकी है।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 77

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 76 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

बढती महंगाई का असर गृहणियों पर पड़ रहा है:रौतेला

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस महिला नेत्री ज्योति रौतेला ने कहा कि मोदी सरकाद की विफल नीतियो के कारण बढती महंगाई का सारा भारतीय घरों पर गहराया हुआ है जिसका सबसे अधिक असर गृहणियो पर पड रहा है। आज यहां कांग्रेस भवन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए रौतेला ने कहा कि आज नरेन्द्र मोदी सरकार की विफल नीतियों के कारण बढती महंगाई का साया भारतीय घरों पर गहराया हुआ है और इसका सबसे अधिक असर गृहणियों पर पड रहा है। उन्होंने कहा कि यह अनसुनी नायिकाएं, जो परिवार, वित्त और कल्याण के बीच संतुलन बनाती हैं लगातार बढती कीमतों के तूफान में जूझ रही हैं। उन्होंने कहा कि अनगिनत रसोइयों की जीवन रेखा एलपीजी सिलेण्डर की कीमतें पिछले सालों में बडकर आज 1050 तक पहुंच गयी है। यह वृद्धि बजट पर काफी दबाव डालती है। उन्होंने कहा कि गृहणियों पर बढती महंगाई का बोझ आंकडे बयां करते हैं। उनकी पीडा को यदि आज कोई समझ रहा है तो वह देश में भारत जोडो न्याय यात्रा कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी है जो नीति संचालित राजनीति के माध्यम से आम जन की तकलीफों को हल करने का मार्ग प्रदर्शित कर रहे है। आज देश भाजपा की मुददो से भटकाने वाली राजनीति के खिलाफ एकजुटता से लडाई लड रहा है।

इलाके में बधाई मांगने से मना करने पर जान से मारने की धमकी

देहरादून (सं)। बधाई मांगने से मना करने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चुक्खुवाला निवासी रवीना ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बसंत विहार क्षेत्र उनका इलाका है। आज जब वह अपने इलाके पर पहुंची तो उसने देखा कि वहां पर निशा उर्फ सचिन, अनुष्का उर्फ अजय व बिन्नी बधाई मांग रहे थे। उसने जब उनको मना किया कि वह उनके इलाके में बधाई क्यों मांग रही है तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

नाबालिग को भगाने में मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जाखन नदी निवासी व्यक्ति ने रानीपोखरी में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग पुत्र दुकान तक गयी थी लेकिन वापस नहीं आयी। उसने उसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। आसपास के लोगों से पूछने पर उसको पता चला कि उसकी बेटी को बुलन्दशहर निवासी चन्द्रपाल के साथ जाते हुए देखा था। उसने बताया कि चन्द्रपाल उसकी बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया है।

दो युवकों पर धारदार हथियार से हमला, गम्भीर घायल

संवाददाता

देहरादून। मामूली कहासुनी में दो युवकों पर धारदार हथियारों से हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। जिसकी शिकायत एसएसपी कार्यालय को दी गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुस्लिम कालोनी निवासी मोहम्मद कलीम ने एसएसपी कार्यालय के शिकायल प्रकोष्ठ में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह क्षेत्र में एक होटल पर तन्दूर पर आग सेक रहा था तभी वहां पर राजू नाम का व्यक्ति आया और उसने तन्दूर में पानी डाल दिया जिससे तन्दूर की राख उसके ऊपर आ गयी इस बीच उसके व राजू के बीच कहासुनी हो गयी तो आसपास के लोगों ने मामला शांत करा दिया। लेकिन जाते हुए राजू ने उसको जान से मारने की धमकी दी थी। गत रात्रि वह व उसका भाई मोहम्मद कैफ अपनी दुकान की तरफ जा रहे थे तभी राजू व उसके भाई राजा ने उसके व उसके भाई कैफ पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया जिससे दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गये। उसके भाई कैफ के सिर पर 10 टांके आये तथा वह दून चिकित्सायल में भर्ती है। इन लोगों के हमले से उसका परिवार बुरी तरह से भयभीत है। एसएसपी कार्यालय ने सम्बन्धित थाना पुलिस को मामले की जांच करने के निर्देश दिये।

रामलला के दर्शन कर धन्य हो गए...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

यहां आकर लगे कि वह अपने ही घर में आए हैं और उन्हें यहां रहने खाने की कोई दिक्कत न हो। इस अवसर पर उनके साथ काबीना मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, धन सिंह रावत, रेखा आर्य, सतपाल महाराज, सुबोध उनियाल और गणेश जोशी भी मौजूद रहे। सभी ने रामलला और हनुमानगढ़ी जाकर दर्शन किए तथा भव्य दिव्य राम मंदिर की छटा देखकर आनंदित दिखे। दर्शनों के बाद वह राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष चम्पत राय से भी मुलाकात करने गए। सभी मंत्री आज ही वापस देहरादून लौटकर आ जाएंगे।

सत्यापन अभियानः पुलिस ने 63 मकान मालिकों के किये लाखों के चालान

हमारे संवाददाता

टिहरी। जनपद पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए सत्यापन न कराने वाले मकान मालिकों पर लाखों रूपये के चालान किये है।

थाना मुनि की रेती पुलिस द्वारा सत्यापन अभियान के अन्तर्गत कैलाश गेट क्षेत्र में शीशम झाड़ी गली नंबर 11, 12, 13, 14, 32, 33, 34, 35 में सुबह 6 बजे से सत्यापन अभियान चलाया गया। जिसमें बाहरी व्यक्तियों व किरायदारों का सत्यापन न कराने वाले 63 मकान मालिकों का दस-दस हजार के कुल 6 लाख 30 हजार रूपये के चालान किये गये जो कि न्यायालय में प्रेषित किये जाएंगे। पूर्व में भी कई बार सभी जनमानस को किरायदारों का सत्यापन कराने के लिए अवगत कराया जा चुका है परन्तु उसके उपरांत भी मकान मालिकों द्वारा सत्यापन न कराने पर उनके विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गई है। पुलिस द्वारा आम जनमानस को निर्देशित किया गया कि किसी बाहरी व्यक्ति को किराये पर रखने, होटल में काम पर रखने से पूर्व उसका सत्यापन कराये जिससे भविष्य में किसी प्रकार की अप्रत्याशित घटना से बचा जा सके। पुलिस के अनुसार आने वाले दिनों में ढालवाला, तपोवन, कैलाश गेट में भी पुलिस द्वारा सत्यापन न कराने वालों के विरुद्ध कार्यवाही जारी रहेंगी।

17 पेटी शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने 17 पेटी शराब सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार भी बरामद की है।

मामला राजपुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना राजपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक शराब तस्कर भारी मात्रा में शराब सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को धोरण पुल के पास एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो कार चालक कार छोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। कार की तलाशी के दौरान पुलिस ने उसमें रखी 17 पेटी अंग्रेजी व देशी शराब बरामद की। थाने लाकर की गयी पूछताछ में गिरफ्तार तस्कर ने अपना नाम सागर नेगी पुत्र इंद्र सिंह नेगी निवासी भरवा कैटल थाना चंबा जनपद टिहरी गढ़वाल , हाल पता देवनागरी रेस्टोरेंट किमाड़ी थाना कैंट देहरादून बताया। पुलिस ने उसे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

सरकार कर रही है जनता के पैसे का दुरुपयोगः माहरा

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने धामी सरकार पर जनता की गाढ़ी कमाई से दिये गये टैक्स के पैसे से प्रदेश सरकार के मंत्रिमण्डल को धार्मिक यात्रा कराने पर कडी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सरकार पर जनता के पैसे का दुरूपयोग करने का आरोप लगाया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि प्रदेश की धामी सरकार का पूरा मंत्रिमंडल अयोध्या की धार्मिक यात्रा पर हैं। जो अच्छी बात है उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्रायें आस्था का विषय है जो अपने खून पसीने और मेहनत की कमाई से की जानी चाहिए। धार्मिक आस्था नितांत निजी और व्यक्तिगत विषय है इसके प्रदर्शन से बचा जाना चाहिए। इसीलिए वैदिक युग में हमारे ऋषि-मुनि घनघोर जंगलों और गुफाओं में धार्मिक लाभ और आत्म कल्याण के लिए एकांत में तपस्या किया करते थे। उन्होने कहा कि मैं भी सुबह शाम अपनी श्रद्धा के अनुसार प्रतिदिन पूजा पाठ करता हूं और अपनी आस्था की अनुसार मंदिरों में भी भगवान के दर्शन के लिए जाता हूं लेकिन हम उसके प्रदर्शन से हमेशा बचते रहे हैं। बचपन से दीपावली का त्योहार भगवान राम के अयोध्या आगमन खुशी हम सब मानते आए हैं।

उन्होंने कहा कि बचपन से रामलीला का मंचन हमारे गांव मे और पुरे प्रदेश में प्रतिवर्ष होता रहा है और रामलीला के मंचनों में मुझे भी कई बार पात्र बनने का मौका मिला। राम की जन्म की खुशी में प्रतिवर्ष रामनवमी का त्योहार हम सब मानते हैं और रामनवमी की शोभा यात्राएं अपनी-अपने क्षेत्र में निकालते रहे हैं। परंतु आज भगवान राम के नाम पर राजनीति हो रही है जिसको देखकर भगवान राम को भी निश्चित तौर पर दुख होता होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल की यह धार्मिक यात्रा जनता के पैसे से कराई जा रही है जो कि अत्यंत दुःख का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के प्रति प्रत्येक नागरिक की अपनी धार्मिक आस्था है परन्तु सरकारी धन के लाखों रूपये खर्च कर ऐसी धार्मिक यात्रायें कराया जाना आम जनता की गाढ़ी कमाई का खुला दुरूपयोग है जो राज्य एवं जनहित में उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

उन्होंने भाजपा पर धार्मिक यात्राओं का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि एक ओर भाजपा के लोग अपनी निजी धार्मिक यात्रा पर उत्तराखण्ड आये कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के केदारनाथ दर्शन के दौरान सुनियोजित ढंग से नारेबाजी करते हैं वहीं धामी सरकार का पूरा मंत्रिमंडल सरकारी धन से धार्मिक यात्रा करता है तब भाजपा के बड़बोले प्रवक्ता एवं वक्ता चुप्पी साधे बैठे हैं।

एक नजर

स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से दिया इस्तीफा

लखनऊ। स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद विधान परिषद सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप लगाए। स्वामी ने कहा कि 22 फरवरी को कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली के तालकटोरी स्टेडियम में चर्चा के बाद नई पार्टी का गठन करेंगे। स्वामी प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव को अपना इस्तीफा भेजा। उन्होंने लिखा कि आपके नेतृत्व में सौहार्दपूर्ण वातावरण में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ, लेकिन 12 फरवरी को हुई बातचीत एवं 13 फरवरी को भेजे गए पत्र पर किसी भी प्रकार की वार्ता की पहल आपने नहीं की। इसलिए मैं समाजवादी पार्टी की प्रारंभिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव पर भी जमकर हमला बोला। स्वामी प्रसाद मौर्य ने विधान परिषद के सभापति को भी पत्र लिखकर इस्तीफा देने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा- मैं सपा प्रत्याशी के रूप में विधान परिषद सदस्य निर्वाचित हुआ हूं। मैंने सपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इसलिए नैतिकता के आधार पर मैं विधान परिषद की सदस्यता से भी इस्तीफा देता हूं।

जब अवॉर्ड शो में रणबीर कपूर को आया गुस्सा...!

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म एनिमल को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। ये फिल्म जब से रिलीज हुई है बॉक्स ऑफिस पर तो ध माल मचा ही रही है साथ में अब ओटीटी पर भी इसका जलवा कायम है। इस फिल्म को कई अवॉर्ड मिल चुके हैं। हाल ही में गुजरात में फिल्म फेयर अवॉर्ड्स हुए थे। जिसमें रणबीर भी शामिल हुए थे। इस शो करण जौहर और आयुष्मान खुराना ने होस्ट किया था। अवॉर्ड शो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें रणबीर कपूर को गुस्सा आ जाता है और वो चिल्ला पड़ते हैं। वायरल हो रहे वीडियो में करण जौहर रणबीर से मदद मांगते हैं। वो बार-बार कहते हैं- श्रणबीर ही कर सकता है, रणबीर ही करेगा, रणबीर को ही करना चाहिए। रणबीर को हमारी मदद करनी चाहिए।श करण की एक बात बार-बार सुनकर रणबीर चिड़ जाते हैं। करण जौहर की बात से रणबीर कपूर चिड़ जाते हैं। वो चिल्लाकर अपना एनिमल फिल्म का डायलॉग बोलते हैं- श्सुनाई दे रहा है, बहरा नहीं हूं।श्रणबीर का ये रिएक्शन देखकर करण जौहर भी चौंक जाते हैं। वीडियो में रणबीर गुस्से में नजर आ रहे हैं। इसे देखकर लग रहा है कि ये इन तीनों के एक्ट का हिस्सा था।

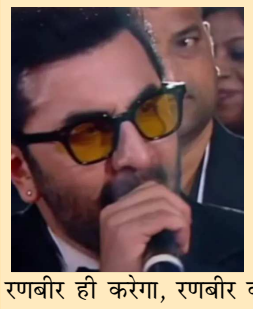

शिंदे सरकार ने 10 फीसदी मराठा आरक्षण के बिल के मसौदे को दी मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार ने बीते कई दिनों से प्रदेश में चल रहे मराठा आरक्षण की मांग पर बेहद महत्वपूर्ण फैसले लेते हुए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी मराठा आरक्षण के बिल के मसौदे को मंजूरी दे दी है। महाराष्ट्र कैबिनेट के इस फैसले से बीते कई महीनों से चल रहे मराठा आरक्षण आंदोलन के समाप्त होने की उम्मीद की जा रही है। मनोज जरांगे की अगुवाई में चल रहे मराठा आरक्षण के लिए लाखों आरक्षण समर्थक मुंबई सहित पूरे सूबे में प्रदर्शन और भूख हड़ताल कर रहे थे। इस समस्या के समाधान के लिए बीते 20 फरवरी को महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया। शिंदे सरकार जल्द से जल्द इस जटिल मसले को सुलझाने की कोशिश कर रही थी। इसी के तहत सरकार ने मराठाओं को शिक्षा और सरकार नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण देने का निर्णय लिया है। मालूम हो कि महाराष्ट्र विधानसभा ने 2018 में ही मराठा समुदाय को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में 16 फीसदी आरक्षण देने वाला विधेयक पारित किया था। मगर इससे राज्य में कुल आरक्षण 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा से ऊपर चला गया। जिसके कारण सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में इसे असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया था। सरकार ने इसका एक व्यावहारिक उपाय यह निकाला कि मराठा समुदाय को कुणबी सर्टिफिकेट देकर आरक्षण का हकदार बना दिया जाए, जिससे कुल आरक्षण सीमा के अंदर रहते हुए ही उनकी मांग पूरी हो जाए। लेकिन मराठा समुदाय के कथित ओबीसीकरण की इस कोशिश पर कुणबी समुदाय नाराज हो गया। उसका कहना था कि इससे आरक्षण के उसके हिस्से में कटौती होगी।

हल्द्वानी में कर्फ्यू पूरी तरह समाप्त

विशेष संवाददाता

हल्द्वानी। 8 फरवरी को हिंसा और आगजनी की त्रासद स्थिति के बाद अब हल्द्वानी के हालात धीरे-धीरे सामान्य होते जा रहे हैं। 8 फरवरी को हिंसा और आगजनी की घटनाओं के बाद हल्द्वानी में जो कर्फ्यू लगाया गया था उसे अब चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह से हटा लिया गया है। जिलाधिकारी वंदना सिंह ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। लेकिन हिंसा प्रभावित बनभूलपुरा जहां बीती रात तक 10 बजे से सुबह 5 बजे तक का कर्फ्यू जारी था अब उसे भी हटा दिया गया है।

जिलाधिकारी वंदना सिंह का कहना है कि अब स्थिति सामान्य हो चुकी है इसलिए कर्फ्यू को पूरी तरह से हटा लिया गया है। लेकिन सुरक्षा के लिहाज से बनभूलपुरा के प्रभावित क्षेत्र में अहतियात के तौर पर अभी पुलिस बल की तैनाती रखी गई है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर किसी भी तरह की कोई गड़बड़ी हुई तो फिर इसके परिणाम भी ठीक नहीं होंगे। उधर एसएसपी का कहना है कि अभी जहां वांटेड आरोपियों अब्दुल मलिक और उसके बेटे सहित 6-7 लोग अभी भी फरार है जिनके खिलाफ पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

- जिलाधिकारी ने किया आदेश जारी
- मलिक व फरार आरोपियों पर कार्यवाही जारी
- कुर्की के बाद अब ईनाम घोषित करने की तैयारी

उन्होंने कहा कि पुलिस अब तक 60 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जबकि अभी आरोपियों की पहचान और उनकी धरपकड़ का काम जारी है। उनका कहना है कि मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक और उसके बेटे की तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि जिन आरोपियों की कुर्की हुई है उनका ब्यौरा अदालत को दिया जा चुका है और अब उन पर अगली विधिक कार्रवाई इनाम घोषित करने की जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उन पर एक से डेढ़ लाख तक इनाम घोषित किया जा सकता है।

उधर शहर काजी ने आम लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग किसी भी तरह की अफवाह न फैलाएं और न अफवाहों पर विश्वास करें। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखने को कहा है उनका कहना है कि न तो कोई आपत्तिजनक पोस्टर जारी करें और न किसी पोस्ट का जवाब दें। 12 दिन बाद कर्फ्यू मुक्त हुए हल्द्वानी में जनजीवन अब सामान्य होता जा रहा है।

नाबालिग का अपहरण व दुराचार मामले में आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। नाबालिग का अपहरण व दुराचार किये जाने के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से नाबालिग अपहृता भी बरामद की है। जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना पोखरी में पीड़ित द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री को एक व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने के सम्बन्ध में एक प्रार्थना पत्र दिया गया। प्रार्थना पत्र को गंभीरता से संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसके बाद चंद घंटो के भीतर ही नाबालिग अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया गया। नाबालिग पीड़िता को बरामद कर आवश्यक कार्यवाही हेतु थाने पर लाये। पुलिस द्वारा नाबालिग पीड़िता के बयान के आधार पर मुकदमे में दुष्कर्म और पोक्सो अधिनियम की बढ़ोतरी कर नाबालिग पीड़िता व आरोपी मनीष कुमार पुत्र मोहन लाल निवासी ग्राम जोशासी थाना पोखरी जनपद चमोली का मेडिकल परीक्षण कराया गया। जिसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

स्कूली छात्र पर गुलदार ने किया हमला, घायल

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। उत्तराखंड में जंगली जानवरों के हमले थमने का नाम नहीं ले रहें हैं, आये दिन राज्य में वन्यजीवों व मानव के बीच संघर्ष की खबरें मिलती रहती हैं। इस क्रम में आज रुद्रप्रयाग जिले के जखोली क्षेत्र में गुलदार ने एक स्कूली छात्र पर हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

रुद्रप्रयाग जिले के जखोली ब्लॉक के लस्या पट्टी के महरगांव में आज सुबह एक पंद्रह वर्षीय स्कूली छात्र पर घात लगाए गुलदार ने हमला कर दिया। जिसमे छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार आज सुबह पंद्रह साल का कार्तिक पुत्र किशन सिंह बुटोला अपने घर से अपने विद्यालय इंटर कॉलेज रामाश्रम के लिए जा रहा था।

इस दौरान गांव से कुछ ही दूरी पर घात लगाये गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। गुलदार के हमले में कार्तिक बुरी तरह घायल हो गया। चीख पुकार सुनकर गांव के गम्भीर सिह बुटोला घटना स्थल पर पहुंचे, जिसके बाद गुलदार मौके से भाग गया। कार्तिक को यथाशीघ्र एम्बुलेंस के जरिए जखोली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया जहाँ उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी ग्रामीणों द्वारा वन क्षेत्राधिकारी जखोली को दी गई है। आये दिन हो रहे जंगली जानवरों के हमलों से लोग दहशत में हैं, गत दिवस हरिद्वार में भी दो गुलदारों ने बाइक सवार युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया था।

शुद्धि पत्र

मेरा नाम मोहम्मद नूर है। पासपोर्ट में गलती से मेरा नाम नूर मोहम्मद लिखा गया है जोकि गलत है। मेरा नाम मौहम्मद नूर है तथा मेरे पिता का नाम मौहम्मद खुर्शीद व मां का नाम शहनाज परवीन है। मुझे अब से मोहम्मद नूर के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

मोहम्मद नूर
पुत्र श्री मोहम्मद खुर्शीद
निवासी 82/44 रीठा मण्डी
देहरादून, उत्तराखण्ड।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।